Page
Date

1.	पाठ योजना स० 1 =	0 - 4 तक
2.	पाठ योजना स० = 2	5 - 9 तक
3.	पाठ योजना स० 3 ⇒	10 - 14 तक
4.	पाठ योजना स० 4 ⇒	15 - 17 तक
5	पाठ योजना स० 5 ⇒	18 - 22 तक

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

व्याख्यान कौशल के घटक

क्र० स०	अवयव (घटक)
1.	कथनो की स्पष्टता
2.	व्याख्या की धारा प्रवाहिता
3.	व्याख्यान प्रक्रिया में प्रश्नीकरण
4.	योजनाबद्ध पुनरावृत्ति
5.	मुख्य बिन्दुओं का सारांश प्रस्तुतीकरण

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 1

कौशल - व्याख्यान

विद्यालय का नाम - श्री मती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापिका का नाम - प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	कालांश	अवधि	विषय
21/12/2019	4	1	6 मिनट	भूगोल

प्रकरण - पृथ्वी की गतियाँ

सामान्य उद्देश्य -

1. कथनों को प्रारम्भ एवं समाप्त करने की योग्यता का विकास करना।
2. व्याख्या के दौरान विचारों को एक व्यवस्थित क्रम में प्रस्तुत करने की योग्यता का विकास करना।
3. छात्रों की बोध शक्ति के परीक्षण की योग्यता का विकास करना।

सहायक सामग्री :- चार्ट

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

छात्रो का पूर्वज्ञान :— छात्र पृथ्वी की गतियो के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है।

प्रस्तुतीकरण :—

क्र.सं.	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
1.	प्रश्न-1 हमलोग पृथ्वी के साथ कितने रफ्तार से घूम रहे है।	उत्तर-1 हमलोग पृथ्वी के साथ लाख २ हजार कि० मी० की रफ्तार से घूम रही है।	1.3.5
2.	प्रश्न-2 पृथ्वी किसका चक्कर लगाती है।	उत्तर-2 पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है।	1, 5
3.	प्रश्न-3 पृथ्वी सूर्य का चक्कर कितने समय मे लगाती है।	उत्तर-3 पृथ्वी सूर्य का चक्कर 365 दिन 6 घंटे मे पूरा करती है।	1,2,3 दृष्टि को व प्रयोग
4.	प्रश्न-4 पृथ्वी की गतियो के विषय मे आपलोग और क्या-२ जानते है।	उत्तर न०-4 समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन :- बच्चो को आज हम पृथ्वी की गतियो के

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

विषय मे बतायेगें।

स्पष्टीकरण:-

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रिया	घटक
पृथ्वी की गतियां	हमारे सौरमण्डल के सभी ग्रह एवं उपग्रह गतिशील है। हमलोग भी पृथ्वी के साथ लाख 12 हजार किमी० प्रति घंटा की रफ्तार से घूम रहे हैं। पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाने की साथ-साथ अपनी धुरी पर लट्टू की तरह घूमती है। पृथ्वी अपने अक्ष पर 24 घंटे मे चक्कर लगाती है। पृथ्वी की दो गतियां है। 1. परिभ्रमण गति 2. परिक्रमण गति इस गति मे पृथ्वी अपने अक्ष पर पश्चिम से पूर्व दिशा मे घूमती है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगें।	सम्पूर्ण घटक का प्रयोग किया गया है।

SMT. SHYAMA DEVI [...] Degree College of Science & Management

	परिक्रमण गति - इस गति मे पृथ्वी सूर्य का चक्कर अण्डाकार पथ पर घूमते हुई लगाती है। सूर्य का एक पूरा चक्कर लगाने मे 365 दिन घंटे का समय लगाती है।		

गृहकार्य -:

1. पृथ्वी अपने अक्ष पर कितने चक्कर लगाती है।

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

श्याम पट कौशल के घटक

क्र०सं० अवयव (घटक)

1. लिखावट की सुस्पष्टता अक्षरों का आकार मोटाई एवं समान अन्तर

2. श्यामपट्ट लेखन मे स्वच्छता
(क) अक्षरों मे लिप्त लेखन ना होना
(ख) रेखाओ के बीच पर्याप्त दूरी।

3. श्यामपट्ट कार्य कौशल
(अ) शिक्षण बिन्दु मे तारम्यता
(ब) सरलता एवं संक्षिप्ता
(स) छात्रो का ध्यान आकर्षित करना।

SMT. SHANTI DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 2

कौशल - श्यामपट्ट कौशल

विद्यालय का नाम - श्री मती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापक का नाम - ~~[illegible]~~ प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	कालांश	अवधि	विषय
23/12/2019	4	1	6 मिनट	भूगोल

प्रकरण - चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण

सामान्य उद्देश्य —

1. लेखन में स्पष्टता
2. श्यामपट्ट कार्य में स्वच्छता
3. श्यामपट्ट लेखन की उपयुक्तता
4. छात्राध्यापकों में निम्नलिखित योग्यताओं का अनुभव होगा।

(क) छात्रों को पुनर्बलित करते हुए मौखिक शिक्षण को स्पष्ट करना।

(ख) छात्रों को स्पष्ट रूप से प्रत्ययों को समझने के लिए योग्यता का विकास करना।

SHRI SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री - चॉक, डस्टर

छात्र का पूर्वज्ञान — छात्र चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण —

क्र० सं०	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रिया	घटक
1.	प्रश्न-1 किसकी छाया के कारण चन्द्रग्रहण व सूर्य ग्रहण होता है।	पृथ्वी व चांद की छाया के कारण सूर्यग्रहण व चन्द्रग्रहण होता है।	1, 2
2.	किसके कारण समुद्र मे ज्वार भाटा आता है।	आज से पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने के कारण ज्वार भाटा आता है।	1, 2, 3
3.	प्रश्न नं०-3 सूर्यग्रहण व चन्द्रग्रहण के बारे में सर्वप्रथम किसने बताया।	आज से 1600 साल पहले खगोलविद आर्यभट्ट ने बताया।	1, 2, 3 का प्रयोग किया।
4.	प्रश्न नं०-4 चन्द्रग्रहण व सूर्य ग्रहण किसे कहते हैं स्पष्ट करो।	समस्यात्मक	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

उद्देश्य कथन — बच्चो आज हम सूर्य ग्रहण व चन्द्रग्रहण के बारे मे बतायेगे।

स्पष्टीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रिया	घटक
चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण	आज से लगभग 1600 साल पहले खगोल विद आर्यभट्ट ने बताया की पृथ्वी और चाँद की छाया के कारण सूर्य व चन्द्र ग्रहण होता है। चन्द्रमा पृथ्वी का चक्कर लगाते हुए पृथ्वी की कक्षा से गुजरता है। चन्द्रमा कभी-2 अपनी छाया पृथ्वी पर डालता है। उसे ग्रहण कहते है। जब चन्द्रमा पृथ्वी व सूर्य के बीच आजाती है तो सूर्य ग्रहण। जब पृथ्वी सूर्य व चन्द्रमा के बीच आजाती है। चन्द्रमा पूर्णिमा सूर्य ग्रहण की आकर्षण शक्ति के कारण ज्वार भाटा आते है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगे।	1,2 3 घटको का प्रयोग किया गया है।

SMT. SUNAINA DEVI College of Science & Management

Page 9
Date

गृहकार्य—

1. पढ़ाया गया पाठ याद करें।

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

2/11/20

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पुर्नबलन कौशल के घटक

क्र०सं०	अवयव (घटक)
1.	धनात्मक शाब्दिक पुर्नबलन
2.	धनात्मक अशाब्दिक पुर्नबलन
3.	ऋणात्मक शाब्दिक पुर्नबलन
4.	ऋणात्मक अशाब्दिक पुर्नबलन
5.	अतिरिक्त पुर्नबलन

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 3

कौशल - पुर्नचलन

विद्यालय का नाम – श्री मती श्यामादेवी डिग्री कोलेज आफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापक का नाम – प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	कालांश	अवधि	विषय
24/12/2019	6	1	6 मिनट	भूगोल

प्रकरण - पृथ्वी का कटिबन्ध।

सामान्य उद्देश्य –
1. शिक्षण अधिगम के अनुरूप छात्रो को तैयार करना।
2. छात्रो को नवीन प्रत्ययो को सिखाने हेतु अभिप्रेरित करना।
3. छात्रो की त्रुटियो को सुधार कर अधिगम को प्रभावित करना।
4. छात्रों को प्रोत्साहित करना एवं उनके आत्म विश्वास मे वृद्धि करना।

छात्र का पूर्वज्ञान – छात्र पृथ्वी का कटिबन्ध के बारे मे सामान्य जानकारी रखते है।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण ⇒

क्र०सं०	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	प्रयुक्त सहायक सामग्री
1.	प्रश्न-1 पृथ्वी पर कितने कटिबन्ध पाये जाते हैं?	पृथ्वी पर तीन कटिबन्ध पाये जाते हैं	
2.	प्रश्न-2 कटिबन्धों का नाम बताओ।	शीत कटिबन्ध उष्ण कटिबन्ध शीतोष्ण कटिबन्ध	शाबाश अतिरिक्त पुनर्बलन
3.	प्रश्न-3 शीत कटिबन्ध का ताप कितना होता है।	गर्म होता है।	सही प्रयास करो।
4.	प्रश्न-4 उष्ण कटिबन्ध का तापमान कितना होता है।	तापमान ठण्डा होता है।	नकारात्मक मुंड मे सिर हिलाकर
5.	शीतोष्ण का कटिबन्ध तापमान कैसा है।	ना अधिक ठण्डा ना अधिक गर्म होता है।	सिर ऊपर नीचे हिलाकर (शाबाश) धनात्मक
6.	पृथ्वी पर तापक्रम वितरण का किससे सम्बन्ध है।	तापक्रम वितरण सूर्यताप की मात्रा से सम्बन्धित है।	सामग्री बिल्कुल सही है।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

उद्देश्य कथन :- बच्चों हम आज आपको ताप कटिबन्ध और उसके प्रकार को बतायेंगे।

स्पष्टीकरण :-

शिक्षणबिन्दु	छात्राध्यापकक्रिया	छात्र क्रिया	घटक
ताप कटिबन्ध और उसके प्रकार	पृथ्वी पर सूर्यताप की मात्रा और तापक्रमविकरण में नजदीकी सम्बन्ध है सूर्यताप तापक्रम का आपस में समानुपाती सम्बन्ध है। तापकटिबन्धीय तीन प्रकार का होता है। 1. शीत कटिबन्ध 2. उष्ण कटिबन्ध 3. शीतोष्ण कटिबन्ध	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेगें।	सभी घटकोका प्रयोग किया गयाहै

गृहकार्य :-

1. पढ़ाया गया पाठ याद करके आयेगें।
2. ताप कटिबन्ध के तीनो प्रकार का वर्णन करो।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तावना कौशल के घटक

क्र०सं०	अवयव (घटक)
1-	आवाज मे स्पष्टता, भाव - भंगिमा एवं नेत्र सम्पर्क
2.	श्रव्यदृश्य सामग्री का प्रयोग
3.	नेत्र सम्पर्क
4.	कथनों की क्रमबद्धता
5.	समयावधि

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठयोजना संख्या - 4

कौशल - प्रस्तावना

विद्यालय का नाम :- श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

छात्राध्यापक का नाम :- प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	कालांश	अवधि	विषय
03/01/2020	5	1	5 मिनट	भूगोल

सामान्य उद्देश्य :-

1. छात्राध्यापक को विभिन्न कथनों के उचित क्रम में प्रयोग करने की योग्यता का विकास करना।

2. छात्राध्यापक में अधिगम के प्रति प्रेरणा उत्पन्न करने की योग्यता का विकास करना।

3. छात्राध्यापक में सीखी हुई विषय वस्तु एवं केवल सीखने योग्य विषय के मध्य उचित सम्बन्ध बनाने की योग्यता का विकास करना।

छात्रों का पूर्वज्ञान :- छात्र वायुमंडल के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण :-

क्र०स०	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्रक्रिया	घटक
1.	प्रश्न-1 हम साँस के रुप मे किस गैस को लेते है।	आक्सीजन गैस साँस के रुप मे लेते है।	1,3,4
2.	प्रश्न-2 आक्सीजन वातावरण मे कितना है।	आक्सीजन गैस 21% है।	
3.	प्रश्न-3 आक्सीजन के अलावा कौन सी गैस पायी जाती है।	आक्सीजन के अलावा हाइड्रोजन नाइट्रोजन हीलियम आदि	1, 3
4.	प्रश्न-4 इन गैसो के आवरण को क्या कहते है	इन गैसों के आवरण को वायुमंडल कहते है	1,4
5.	प्रश्न-5 वायुमंडल के बारे मे आप और क्या जानते है।	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन :- बच्चों आज हम वायुमंडल के बारे मे विस्तार से अध्ययन करेगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

स्पष्टीकरण –:

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
वायुमंण्डल	वायु का वह आवरण जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है। वायुमंण्डल कहलाता है। हम सांस आक्सीजन के द्वारा लेते हैं। आक्सीजन गैस धरातल पर है आदि। H, CO_2, N, He गैसें के आवरण को वायुमंण्डल कहते हैं। वायुमंण्डल में सबसे ज्यादा गैस N है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	सभी घटकों का प्रयोग किया गया है।

गृहकार्य –:

1. कराया गया कार्य याद करेंगे।
2. पौधे क्या छोड़ते हैं और कौन सी गैस लेते हैं।

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रश्नीकरण कौशल के घटक

क्र०सं०	अवयव (घटक)
1.	प्रश्नों की संरचना
2.	प्रश्नो का केन्द्रीकरण
3.	प्रश्नो के मध्य उचित विराम
4.	पुराने प्रश्नो का सम्बन्धित शिक्षण
5.	प्रश्नो का कठिनता स्तर
6.	प्रश्नो का उचित विराम

SMT. SHYAM DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 5

कौशल - प्रश्नीकरण

विद्यालय का नाम -: श्री मती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेंट

छात्राध्यापक -: प्रखर तिवारी

दिनांक	कक्षा	कालांश	अवधि	विषय
04/01/2020	6	1	5 मिनट	भूगोल

प्रकरण -: वायुमण्डल के स्तर

सामान्य उद्देश्य -:

1. छात्राध्यापक द्वारा कक्षा के सभी छात्रों को अधिगम प्रक्रिया हेतु सम्मिलित करना।

2. छात्रों में उनकी चिन्तन एवं विश्लेषणात्मक क्षमता को विकास करना।

3. छात्रों में विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा उत्पन्न करना।

4. छात्रों को विभिन्न सूचनाओं को एकत्रित करने एवं उन्हें प्रयोग में लाने की दक्षता का विकास करना।

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री :- चार्ट

छात्र का पूर्वज्ञान :- छात्र वायुमंण्डल के स्तर के बारें में सामान्य जानकारी रखते है।

पर्यवेक्षक टिप्पणी :-

वायुमंण्डल के स्तर :- अब तक खोजो के अनुसार वायुमण्डल की ऊंचाई 16,000 किमी से 29,000 किमी° बतायी गयी है लेकिन इतने ऊंचे वायुमण्डल मे पृथ्वी के धरातल से 80 किमी° ऊंचे वायुमण्डल का विशेष महत्त्व है।

1. **परिवर्तन मंण्डल ⇒** पृथ्वी के धरातल से इसकी ऊंचाई 15 K.m तक है। इस मण्डल मे भारी गैस जलवाष्प धूलकण है। मौसम संबन्धी सभी घटना इसमें होती है।

2. **समताप मंण्डल →** धरातल से इसकी ऊंचाई 15 K.m से 50 तक है। इसमे ओजोन परत है। इसमे तापमान समान रहते है।

3. **मध्य मंण्डल →** धरातल से इसकी ऊंचाई 50 से 80 K.m तक है। इसमे उल्का पिण्ड चमकते है।

UMESH KUMAR DEVI
Degree College of Science & Management

आयन मण्डल → इसका विस्तार 80 से 400 K.m तक है। इसमें तापमान तेजी से बढ़ता है। हवा विद्युत आवेशित होती है। पृथ्वी से भेजी गयी रेडियो तरंगें इस मण्डल में आकर फिर पृथ्वी की ओर लौट जाती है।

प्रस्तुतीकरण →

क्रम०सं०	छात्राध्यापक क्रियाएं	छात्र क्रियाएं	घटक
वायुमंडल के स्तर	प्रश्न नं०-1 खोजों के आधार पर वायुमण्डल की ऊंचाई कितनी है।	वायुमंडल की ऊंचाई 16,000 किमी से 29,000 km तक है।	1,2,3 4,5,6 घटकों का प्रयोग किया गया है।
	प्रश्न नं०-2 धरातल से कितने ऊँचे वायुमंडल का विशेष महत्व है।	धरातल से 800 K.m ऊँचे वायुमण्डल का विशेष महत्व है।	
	प्रश्न-3 वायुमंडल को किस आधार पर बांटा गया है।	तापक्रम व वायुदाब के आधार पर बांटा गया है।	
	प्रश्न नं०4 मौसम संबंधी घटना किसमें होती है।	परिवर्तन मण्डल में	
	प्रश्न नं०-5 ओज़ोन परत किस मण्डल में है।	समताप मण्डल में है	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Page 22

प्रश्न नं०-6 किस मण्डल में धूलकण जलवाष्प है।	परिवर्तन मण्डल में।
प्रश्न नं०-7 किस मण्डल में तापमान समान रहता है।	समताप मण्डल में।

गृहकार्य→ (i) वायुयान किस मंडल में उड़ते हैं।
(ii) वायुमण्डल के स्तर को चित्र बनाकर लाना है।

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

21/1/20

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management